

उत्तर प्रदेश जीके स्पेशल उत्तर प्रदेश की फसलें



By - Rahul Vaibhav

यह यूपी जीके स्पेशल का भाग- 4 है। इसमें कराए गए प्रश्न यूपी में होने वाली सभी परीक्षाओं (UPSSSC, UPPOLICE, UPPSC, RO/ARO etc) में काम आयेंगे। आप सभी 1-1 करके सभी भाग का अध्ययन करे और ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को शेयर करे.

भाग - 4

FOR PDF
SEARCH ON
GOOGLE -
SCIENCE KA
MAHAKUMBH

UP की फसलें

★ कृषि गणना २०१०-११ चरण II (भारत सरकार) के अनुसार UP में कुल जिलों में १ हेक्टेयर से कम आकार जिलों का प्रतिशत ७९.४९ (राष्ट्रीय औसत ६७.१०%) तथा प्रति जोत क्षेत्र ०.७६ हेक्टेयर (राष्ट्रीय औसत १०.१९ हेक्टेयर) था।

★ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के चार्ल घटक के तहत २३ जिले गेहूं घटक के तहत ३१ जिले, दलहन घटक के तहत २० जिले शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश के कृषि जलवायु अंचलों का विवरण

जोन संख्या	जोन का नाम	जलवायु	मृदा प्रकार	औसत वर्षा मि.मी.	तापमान अधिकतम °C	पि. ए. संख्या
1.	तराई क्षेत्र	उपोष्ण	दोमट, मटियाल, दोमट	१०९५.४	४१	१-९
2.	पश्चिमी मैदानी क्षेत्र	उपोष्ण	दोमट, मटियाल, दोमट बलुई	१९९१.७	४३	१-९
3.	मध्य प. मैदानी क्षेत्र	उपोष्ण	दोमट, मटियाल, दोमट बलुई, दोमट	१०२२.२	४९	५-९
4.	दक्षिण-पश्चिमी अर्द्ध शुष्क क्षेत्र	अर्द्ध शुष्क	जलोढ़, अरबती, दोमट, बलुई दोमट	६३३.३	४४	४
5.	मध्य मैदानी क्षेत्र	समशीतोष्ण	चिकनी दोमट, दोमट, बलुई दोमट	८४८.२	४३	४
6.	बुंदेलखण्ड क्षेत्र	अर्द्ध शुष्क	अर्द्ध शुष्क माल, काल, गमल, पड़वा	८७६.१	४६	९
7.	उत्तरी-पूर्वी मैदानी क्षेत्र	समशीतोष्ण	दोमट, मटियाल, दोमट, दियाहा आट, बलुई दोमट	१२१८.३	४०	६
8.	पूर्वी मैदानी क्षेत्र	समशीतोष्ण	सिक्ली दोमट, मटियाल, दोमट बलुई, दोमट	१०४६.०	४२	९
9.	विन्ध्य क्षेत्र	समशीतोष्ण	मटियाल दोमट, बलुई, बलुई दोमट, मटियाल	११३४.१	४८	३

RAHUL VAIBHAV SIR

PAGE NO.

DATE:

★ उ.प्र. में वर्ष भर में कुल तीन प्रकार की फसलें पैदा की जाती हैं।

(1) रबी की फसलें (2) खरीफ की फसलें

(3) जायद की फसलें

(1) **रबी की फसलें** → इस फसल के अंतर्गत - गेहूं, जौ, मटर, चना, सरसो, लाठी और आलू आदि जैसी फसलें बोयी जाती हैं।

(2) **खरीफ की फसल** → इस फसल के अंतर्गत, चावल, गन्ना, ज्वार, भाजरा, मक्का, कपास, सनई और कंद दलहन फसलों का उत्पादन किया जाता है।

जायद की फसल → इस फसल के अंतर्गत, खरबूजा, तरबूज, ककड़ी, सीताफल, एवं धान का उत्पादन किया जाता है।

गेहूं

• 2016-17 में UP में गेहूं की खेती का क्षेत्र 9.66 मिलियन है। जो कि सम्पूर्ण देश के गेहूं की खेती के क्षेत्र का 31.56% है। जबकि 2015-16 में इसका क्षेत्र 9.64 मिलियन है। जो कि सम्पूर्ण देश के गेहूं की खेती के क्षेत्र का 31.30% था।

• उ.प्र. में गेहूं की बुआई अक्टूबर - नवम्बर माह में की जाती है।

• उ.प्र. में मुख्यतः साधारण शैली का गेहूं पैदा पैदा किया जाता है।

• उ.प्र. में गेहूं की फसल की कटाई मार्च-अप्रैल माह में की जाती है।

RAHUL VAIBHAV SIR

- ⑥ उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक गेहूँ उत्पादक जिले इस प्रकार हैं।
 ① हाथरस ② अलीगढ़ ③ बुलंदशहर ④ बदायूँ,
 ⑤ मथुरा ⑥ बरेली ⑦ आजमगढ़ ।

⑥ उ.प्र. के द. पठारी क्षेत्र में गेहूँ की कृषि नहीं की जाती ।

चावल

★ 2016-17 में उ.प्र. में चावल की खेती का क्षेत्र 5.65 मिलियन हेक्टेयर है जो कि सम्पूर्ण भारत में चावल की खेती के क्षेत्र का सर्वाधिक हिस्सा (13.07%) है। जब कि 2015-16 में 5.86% खेती का और खेती का क्षेत्र 43.5% था।

★ उ.प्र. में धान की बुआई मई-जून माह में की जाती है तथा उसे सितम्बर-अक्टूबर में काटा जाता है।

• उ.प्र. में सर्वाधिक चावल उत्पादक जिले - आइजहापुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, पीलीभीत, आजमगढ़, प्रयागराज, महाराजगंज, और सिद्धार्थ नगर उत्पादि हैं।

बाजरा

- उ.प्र. में बाजरा की खेती मुख्यतः 50 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है।
- उ.प्र. में बाजरा मई से जुलाई माह के मध्य बोया जाता है तथा सितम्बर से नवम्बर में काटा जाता है।
- उ.प्र. में बाजरा के प्रमुख उत्पादक जिले - आगरा, अलीगढ़, बदायूँ, फिरोजाबाद, रुह्य, सम्भल, कासगंज, इटावा, हाथरस, औरैया आदि ।

- उ.प्र. में मक्का मई-जून में बोया जाता है। और अगस्त-सितम्बर में काटा जाता है।
- उत्तर प्रदेश में ~~मक्का~~ प्रमुख मक्का उत्पादक जिले - बहराइच, मैनपुरी, बुलंदशहर, कानपुर, कन्नौज, हरदोई, फर्रुखाबाद, जौनपुर, रुह्य, कानपुर नगर, गौड़ा आदि।

जौ

- ★ उ.प्र. में जौ उत्पादक जिले हैं। - रुह्य, आगरा, गाजीपुर, ललितपुर, फिरोजाबाद, आसी, बाँदा, महोबा, बुलंदशहर, संबलपुर आदि।

चना

- ★ चने की कृषि उ.प्र. की हल्की दोमट मिट्टी तथा शुष्क मिट्टी वाले भागों में की जाती है।
- ★ उ.प्र. के प्रमुख चना उत्पादक जिले - आसी, हमीरपुर, फतेहपुर, बाँदा, चित्तूर, ललितपुर, कानपुर, देहात, महोबा, कानपुर नगर, रुह्य, प्रयागराज आदि।
- ★ सर्वाधिक चना बुंदेलखण्ड क्षेत्र में होता है।

अरहर

- ★ उ.प्र. के प्रमुख अरहर उत्पादक जिले फतेहपुर, चित्तूर, प्रयागराज, संबलपुर हैं।
- उ.प्र. में अधिकतर अरहर के साथ ज्वार एवं बाजरा की फसलें भी बोई जाती हैं।

गन्ना

- 2015-16 में उ.प्र. में गन्ने की औसत उत्पादकता 67028 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर थी।
- उ.प्र. में गन्ना उत्पादक दो प्रमुख क्षेत्र तराई एवं गंगा-यमुना दोआब हैं।
- तराई क्षेत्र के प्रमुख गन्ना उत्पादक जिले - रामपुर, बरेली, पीलीभीत, सीतापुर, लखीमपुर, सीता, गोष्ठा, बस्ती, बलिया, देवरिया, गोरखपुर आदि।
- दोआब क्षेत्र के प्रमुख गन्ना उत्पादक जिले - मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरगढ़, सहारनपुर, बुलन्दशहर, उन्नाव एवं, मुरादाबाद, हापड़, साम्भरी, एवं सम्भल भी हैं।
- उ.प्र. के मेरठ जिले का गन्ना उत्पन्न कीट का माना जाता है।
- उ.प्र. में सर्वाधिक महत्वपूर्ण नकदी फसल गन्ना है।

कृषि से सम्बंधित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- आम के उत्पादन में = ① लखनऊ ② सहारनपुर ③ बुलन्दशहर
- गन्ने के उत्पादन में = ① तराई क्षेत्र
- आबूना = ① प्रतापगढ़ ② प्रयागराज
- अमरुद = ① गढ़मछपुर ② फर्रुखाबाद
- हल्दी = ① बुंदेलखंड क्षेत्र
- अफीम = ① बराबंकी

RAHUL VAIBHAV SIR

PAGE NO.
DATE: / /

- आलू निर्यात जैन आगरा में है।
- अमरुद के लिए प्रशिक्षण प्रयोग केंद्र प्रयागराज में है।
- प्रदेश में फलों की रंगी वाराणसी, कन्नौज, लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर और जोधपुर जिलों में की जाती है।
- सम्पूर्ण भारत में स्थापित 9 आदर्श पुष्पोत्पादन केंद्रों में से एक लखनऊ में स्थापित है।

RAHUL VAIBHAV SIR